# ध्येय पथ

## अक्टूबर 2023

## मासिक ई-पत्रिका

**सम्पादक**

**श्रीमती पुष्पा निषाद**

**डॉ. सुबोध कुमार मिश्र**



**महाराणा प्रताप महाविद्याल, जंगल धूसड़**

**गोरखपुर**

## राष्ट्रपति महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री जयन्ती

02 अक्टूबर को महाविद्यालय बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पुष्पांजलि के साथ किया गया तत्पश्चात उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा ध्वाजारोहण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पुष्पांजलि के साथ किया गया तत् पश्चात उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा ध्वाजारोहण किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक हिमांशु सिंह ने महात्मा गांधी व आदर्श कुँवर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका अर्पणा सिंह ने किया।

## ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज पुण्यतिथि कार्यक्रम

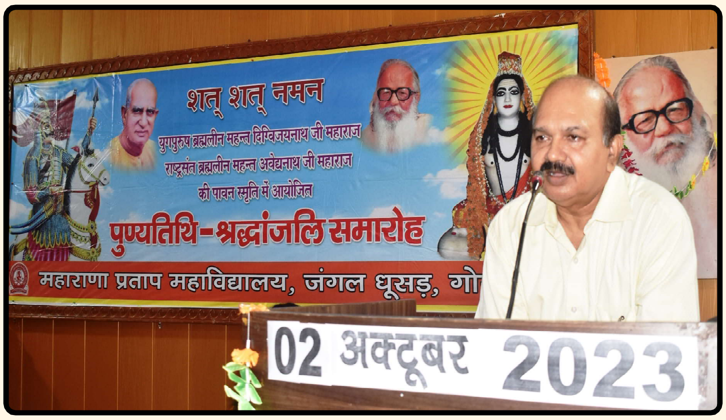


02 अक्टूबर को महाविद्यालय में ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. द्वारिकानाथ जी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व आभार श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अनुप कुमार पाण्डेय ने किया।

## सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना

02 अक्टूबर को महाविद्यालय में सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य श्रीमती शिप्रा सिंह ने गोद लिए गये समस्त विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम का संचालन उप–प्राचार्य श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

## स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

04 अक्टूबर को महाविद्यालय में गुरू श्री गोरखनाथ चिकित्सालय एवं महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने रक्तदाताओं को सम्बोधित किया। इस रक्तदान शिविर में कुल 22 यूनिट रक्तदान किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने सभी रक्तदाताओं का आभार ज्ञापित किया।

## विज्ञान प्रदर्शनी

05 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के बी.एस.सी पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी व विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मंजेश्वर जी रहे। प्रदर्शनी में कुल 67 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में शिल्पी सिंह प्रथम, अंजली मिश्रा द्वितीय व प्रीति गुप्ता व मुस्कान पाण्डेय को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर डॉ. अरूण कुमार राव तथा सुश्री रीतिक त्रिपाठी जी रही। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया।

## राष्ट्रीय संगोष्ठी उद्घाटन सत्र

07 और 08 अक्टूबर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : संकल्प से सिद्धि तक" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र का आयोजन 07 अक्टूबर को किया गया। जिसके मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल नारायन सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम बिहार के कुलपति

प्रो. हरिकेश सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ उपस्थित रही। संगोष्ठी की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने की। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

## प्रथम तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र के अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के गणित विभाग के प्रो. सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने किया सह अध्यक्ष के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बी.एड् विभाग के आचार्य डॉ. सुभाष चन्द्र जी ने किया। इस सत्र में श्री भारत कुमार, सुश्री गरिमा यादव, डॉ. लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. सुधा शुक्ल, श्री अनिल कुमार मद्धेशिया सहित कुल 06 लोगों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन...........तथा प्रतिवेदन.............ने किया।

## द्वितीय तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. एन.पी. भोक्ता ने किया। सह– अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह ने किया। इस सत्र में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्री जितेन्द्र प्रजापति, सुश्री प्रतिभा यादव, श्री अरविन्द कुमार मौर्य, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित कुल 5 लोगों ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन.......................ने किया तथा प्रतिवेदन..........ने किया।

## तृतीय तकनीकी सत्र

08 अक्टूबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने किया। सह–अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह जी उपस्थित रहे। इस सत्र में, श्रीमती अर्पिता सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रिया वर्मा, दीप्ति गुप्ता, भानु प्रताप तथा कृष्णमोहन सहित कुल 6 लोगों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन...............ने किया तथा प्रतिवेदन........................ने किया।

## चतुर्थ तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एलायड हेल्थ साइंस के संकायाध्यक्ष प्रो. सुनील सिंह ने किया। सह–अध्यक्ष के रूप में जे.बी. महाजन कॉलेज चौरी–चौरा गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. लक्ष्मण सिंह जी उपस्थित रहे। इस सत्र में सुश्री यशोदा, आद्या कुमार, अभिषेक त्रिपाठी डॉ. दीपशिखा नागवंशी, तारकेश्वर पाण्डेय, डॉ. राजकुमार, कुमारी पूनम सहित कुल 7 लोगों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन........................ने किया तथा प्रतिवेदन....................ने किया।

## समापन समारोह

08 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह की अध यक्षता मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सेंटर ऑफ पॉलिसी

रिसर्च एण्ड गवर्नेस नई दिल्ली के निदेशक रामानन्द जी रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर के प्रो. अश्वनी कुमार मिश्र जी रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। संगोष्ठी का संयोजन विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

## जय प्रकाश नारायण जयन्ती

11 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में जय प्रकाश नारायण जयन्ती के अवसर पर बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर के छात्र पंकज चौरसिया ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

## शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

11 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा एक शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर के कुल 34 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अभिषेक वर्मा एक विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में पूजा गुप्ता को प्रथम स्थान, शिल्पी सिंह को द्वितीय स्थान तथा प्रीति गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. रघुवीर नारायण सिंह व उप प्राचार्य श्री विनय कुमार सिंह जी रहे। प्रतियोगिता का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार ने किया।

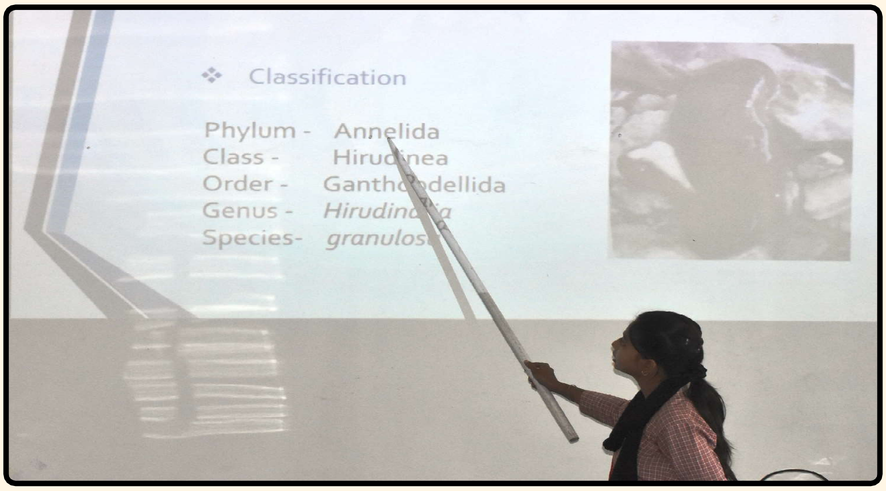

## डॉ. राममनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि

12 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में डॉ. राममनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा सुश्री ममता गौड़ ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

## मेरी माटी मेरा देश कलश यात्रा

12 अक्टूबर को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत ''मेरी माटी मेरा देश'' कलश यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

## बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता

12 अक्टूबर को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 समूहो ने प्रतिभाग किया। एक समूह में 5 विद्यार्थी थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री अभिषेक सिंह के समूह को, द्वितीय स्थान श्री प्रतीक राज सिंह के समूह को एवं तृतीय स्थान हर्ष महेश चौहान के समूह ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में श्रीमती श्वेता, श्री भारत कुमार व सुश्री साक्षी चौबे उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन बी.काम प्रथम सेमेस्टर के श्री वंशदीप राय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

## एक दिवसीय कार्यशाला

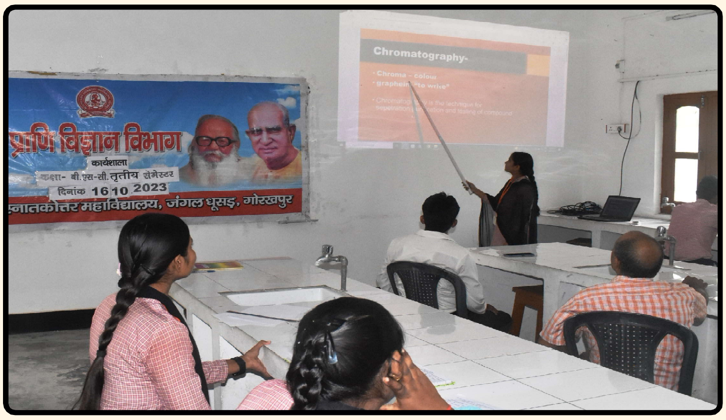


13 अक्टूबर को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा "रोल ऑफ इलुसस्ट्रेसन इन बॉयोलोजिकल स्टडीज" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 63 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव तथा संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

## मिशन शक्ति अभियान 4.0 (रैली)

14 अक्टूबर को महाविद्याल में माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार मिशन शक्ति अभियान 4.0 के अन्तर्गत मिशन शक्ति, रैली का आयोजन किया गया। रैली में महाविद्यालय के 68 विद्यार्थियों ने सहभाग किया। रैली का संयोजन मिशन शक्ति प्रभारी एवं महाविद्यालय की उप–प्राचार्य श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

## वाद-विवाद प्रतियोगिता

16 अक्टूबर को महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा ट्रेडिशनल एजुकेशन वर्सेल मॉडर्न एजुकेशन विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 22 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में देव कुमार चौधरी को प्रथम स्थान, शिवम कुमार को द्वितीय स्थान तथा शिवांगी को तृतीय स्थान व कल्पना को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक, मण्डल में श्री नन्दन शर्मा, डॉ. अभय प्रताप सिंह जी रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं आभार ज्ञापन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

## एक दिवसीय कार्यशाला

16 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त जी रहे। कार्यशाला में आंशिका सिंह को प्रथम स्थान, पल्लवी मिश्रा को द्वितीय स्थान व आकांक्षा शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिव कुमार ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. रघुवीर नारायण सिंह व श्री विनय कुमार सिंह जी रहे।

## दो दिवसीय कढ़ाई एवं पेटिंग कार्यशाला

16 अक्टूबर को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय कढ़ाई एवं पेटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रशिक्षु के रूप में श्रीमती कमलावती प्रजापति जी उपस्थित रहीं। कार्यशाला का संयोजन सुश्री स्मृति सिंह ने किया।

## दो दिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन

17 अक्टूबर को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन पेटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पेटिंग कार्यक्रम के प्रशिक्षु के रूप में श्रीमती कमलावती ने छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया।

## ओरिएंटेशन प्रोग्राम

18 अक्टूबर को महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्किल डेवलपमेंट एवं पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत उन्नति फाउंडेशन के तत्वावधान में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में फाउंडेशन की तरफ से श्री शिवानन्द त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उप–प्राचार्य श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री अभिनव त्रिपाठी व श्री प्रियांशु श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे।

## शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

18 अक्टूबर को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा दीपा गौड़ को प्रथम स्थान, खुशी सिंह को द्वितीय स्थान, रूबी सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

## विशिष्ट व्याख्यान

18 अक्टूबर को महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा "मीडिया सोसायटी एण्ड लिट्रेचर" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर नारायण ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह ने किया संचालन बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र तारकेश्वर पाण्डेय ने किया।

## विशिष्ट व्याख्यान

19 अक्टूबर को महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग द्वारा ''तकनीकि क्षेत्र में कैरियर काउंसलिंग'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बालाजी एकडमी, गोरखपुर के मुख्य कैरियर काउंसलर श्री अविनाश कुमार श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बिजनेस मैनेजर श्री जितेन्द्र कुमार जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन संचालन तथा आभार ज्ञापन बी.सी.ए. के प्रभारी श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

## सलाद मेकिंग प्रतियोगिता

19 अक्टूबर को महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा सलाद मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की कुल 19 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अमृता सिंह व कविता निषाद को प्रथम स्थान, अंशिका साहनी और कामिनी को द्वितीय स्थान व शिवानी शर्मा और रूक्मणी निषाद को तृतीय स्थान तथा सांत्वना पुरस्कार श्रेया श्रीवास्तव और अंजली निषाद को प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में श्रीमती शिप्रा सिंह, सुश्री रीतिका त्रिपाठी एवं सुश्री स्मृति सिंह जी रही। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अवन्तिका पाठकन ने किया।

## शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

19 अक्टूबर को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में बी. एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अंशिका सिंह को प्रथम स्थान, मोहन चौरसिया को द्वितीय स्थान, आयशा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में बी. एस–सी. पंचम सेमेस्टर के कुल 23 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में पूजा गुप्ता को प्रथम स्थान, बैष्णवी पाण्डेय को द्वितीय स्थान तथा अर्पिता चतुर्वेदी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

## विशिष्ट व्याख्यान

20 अक्टूबर को महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा ''खेल का जीवन में महत्व'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेन्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन के सहायक आचार्य श्री अमर सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन डॉ. एस.एन. शुक्ला ने किया।

## शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

20 अक्टूबर को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस' के अवसर पर ''बेहतर हड्डियों का निर्माण'' विषय पर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 33 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की अमृता सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की रीना यादव, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की अस्मिता सिंह को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की वन्दना चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. दीपशिखा नागवंशी, डॉ. अवन्तिका पाठक एवं सुश्री स्मृति सिंह जी रही। कार्यक्रम का संयोजन गृहविज्ञान की सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

## वाद-विवाद प्रतियोगिता

21 अक्टूबर को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''सड़क सुरक्षा अभियान'' पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मण्डल में डॉ. शिव कुमार, डॉ. मंजेश्वर जी रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. आरती सिंह ने किया।

## विशिष्ट व्याख्यान

30 अक्टूबर को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा "वैश्वीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव" विषय पर विशिष्ट व्याख्यासन का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया। आभार ज्ञापन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

## होमी जहॉगीर भाभा जयन्ती

30 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में होमी जहॉगीर भाभा जयन्ती के अवसर पर बी.एस–सी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अनुष्का सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर श्रद्धाजंलि अर्पित किया।

## राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर को महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फार यूनिटी के अन्तर्गत दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार कुमार चौधरी ने एन.सी.सी. के कैडेट्स को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में कैडेट्स को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई और दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. अधिकारी ले. रमाकान्त दूबे व श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

## दस दिवसीय मूल्यपरक पाठ्यक्रम कार्यक्रम (उद्घाटन)

31 अक्टूबर को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा दस दिवसीय मूल्यपरक पाठ्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ल ने अध्यक्षीय उद्बोधन और आभार ज्ञापन डॉ. आरती सिंह ने किया।

## सरदार बल्लभभाई पटेल जयन्ती

31 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में सरदार बल्लभभाई पटेल जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रजापति ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

## इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि

31 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रजापति ने अपने विचार प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

आज
गोरखपुर , रविवार १ अक्तूबर २०२३ ४

# विभागीय व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभागी सम्मानित

गोरखपुर,30 सितम्बर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर में प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के कुल 27 प्रतिभागियों ने कोशिका चक्र, क्लोनिंग, डी.एन.ए. टेक्नॉलाजी आदि विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-रूबी सिंह, द्वितीय स्थान-दीपा गौड़, एवं तृतीय स्थान अमित सिंह कुशवाहा को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह तथा सहायक आचार्य विनय कुमार सिंह ने निभाई। कार्यक्रम का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार ने किया। इसी कड़ी में प्राणि विज्ञान विभाग में सम्पन्न हुई भव्य प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में बी.एड्. की सहायक आचार्या डॉ. विभा सिंह उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कही की विज्ञान जैसे कठिन विषय को जब हम पोस्टर व मॉडल के द्वारा प्रदर्शित करते है तब विज्ञान के सिद्धान्तों एवं उद्देश्यों को समझना आसान हो जाता है तथा इसके द्वारा हमारे अन्दर वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास होता है। इस प्रदर्शनी में कुल 83 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पोस्टर व मॉडल जैसे कोशिका चक्र, डी.एन.ए. पाचन तंत्र, एन्टीबाडी श्वसन तन्त्र, माइट्रोकाड्रिया आदि विषय पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिसमें प्रथम स्थान दीपा, द्वितीय स्थान रूबी सिंह एवं तृतीय स्थान विद्यासागर निषाद को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया। निर्णायक मण्डल में वनस्पति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त, बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्या श्रीमती पुष्पा निषाद एवं उप-प्राचार्य श्री बिनय कुमार सिंह ने अपनी भूमिका निभाई। अंत में विभागाध्यक्ष के द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

वहीं भूगोल विभाग द्वारा साप्ताहिक व्याख्यान माला में भारत में बाढ़ का स्वरूप विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने भारत जैसे विविध भौम्याकृतिक परिपूर्ण क्षेत्रों में बाढ़ के विविध स्वरूपों जैसे तटीय बाध, नदीय बाढ़, आकस्मिक बाढ, सीवर व ड्रेनेज बाढ़ के प्रकारों एवं स्वरूपों पर अपने विचार व्यक्त किए साथ ही बाढ़ के नकारात्मक पक्षों के अलावा सकारात्मक पक्षों पर भी बात रखी। प्रतिभागियों ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का लगभग 12 प्रतिशत भूभाग बाढ़ ग्रसित है जिसमें 20 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। बाढ़ भारत को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाने वाले आपदा के रूप में जाना जाता है। ब्रह्मपुत्र, गंगा, यमुना कोसी, हुगली, घाघरा, दामोदर आदि प्रमुख नदियां बाढ़ के लिए जानी जाती हैं। इस प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र निमिष सिंह प्रथम स्थान पर रहे, द्वितीय स्थान दुर्गेश पॉल एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, तृतीय स्थान अंकित मण्डल एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, सांत्वना पुरस्कार बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा नीलू को मिला। जबकि निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की अपूर्वा, द्वितीय स्थान बी.ए. प्रथम सेमेस्टर कुलदीप कुमार, एवं तृतीय स्थान बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की मुस्कान चौहान को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य अरविन्द कुमार मौर्य ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी, सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तवा ने किया। इसी क्रम में लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयन्ती की पूर्व सन्ध्या पर इतिहास विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय सहायक आचार्य राजनीतिशास्त्र विभाग महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल की सबसे बड़ी देन थी कि 562 छोटी बड़ी रियासतो को भारतीय संघ में मिलाकर भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा न हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. पंचम सेमेस्टर के छात्र विष्णु पटेल ने किया तथा आभार ज्ञापन इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया। इस व्याख्यान कार्यक्रम में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के कुल 90 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

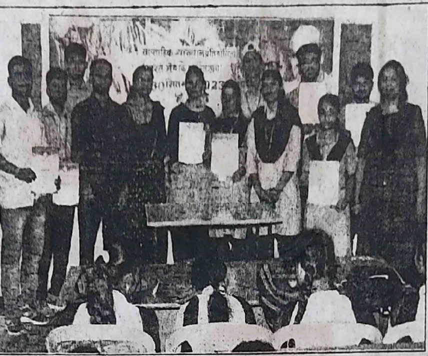

◆महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में प्राणि विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी लगायी ◆भूगोल विभाग में बाढ़ के स्वरूप पर व्याख्यान आयोजित हुआ◆इतिहास विभाग में सरदार बल्लभ भाई पटेल के कृतित्व पर प्रकाश डाला गया

आज
गोरखपुर, सोमवार, ०९ अक्टूबर, २०२३ ४

# तकनीकी शिक्षा को प्राथमिक शिक्षा का हिस्सा बनाने का होगा प्रयास-रामानंद

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। सेंटर ऑफ पॉलिसी, रिसर्च एंड गवर्नेंस, नई दिल्ली के निदेशक रामानंद ने कहा कि शिक्षा का आशय कौशल विकास है इसलिए तकनीकी शिक्षा को प्राथमिक शिक्षा का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जाएगा। विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकी कौशलों का शिक्षण दिलाकर नौकरियों और उद्यमिता के क्षेत्र में मौके प्रदान किए जाएंगे। तकनीकी शिक्षा को डिजिटल माध्यमों से प्रमोट किया जाएगा।

उच्चतर शिक्षा में तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को आधुनिक और अद्यतित बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही साथ शासन के प्रयासों से शिक्षा संस्थानों को तकनीकी शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों की प्रदान करने का काम किया जाएगा। रामानंद, रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के बी. एड. विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 = संकल्प से सिद्धि तक' के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह के अध्यक्ष मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो.जे.पी.सैनी तथा विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर प्रो. अश्वनी कुमार मिश्र के साथ मां सरस्वती, भारत माता और महापुरुषों के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र की शुरूआत की। इस अवसर पर रामानंद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य भारत के युवाओं को तकनीकी ज्ञान और कौशलों से लैस बनाकर उन्हें अधिक रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा व्यवस्था में एक महत्त्वपूर्ण चरण है। इस संबंध में निरंतर विमर्श, संगोष्ठी, और गोष्ठियों के माध्यम से अनुभव साझा करते रहेंगे तो निश्चित ही अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा जगत में भारत उभरता हुआ एक नया बाजार है। हमारे विद्यार्थी हमारी ताकत हैं जो प्रत्येक देश में जाकर वहां की शिक्षा और आर्थिक उन्नयन में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने का कर रही प्रयास-प्रो.जे.पी. सैनी

राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत में शिक्षा के कई पहलुओं को सुधारने और विकसित करने का प्लान है। यह इंटरप्रेन्योरशिप को भी प्रोत्साहित करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विभिन्न स्तरों पर इंटरप्रेन्योरशिप कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल और कॉलेजों में इंटरप्रेन्योरशिप के कार्यक्रमों का प्रसार करने की बात करती है। इस नीति में इंटरप्रेन्योरशिप संबंधित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की बात की गई है, जो युवाओं को व्यवसायिक जगह पर तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक ले जाने पर बल देती है। इसके साथ साथ अपने भाषा में पढ़ने और दूसरों की भाषा को सीखने पर भी बल दिया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर है बल-प्रो मिश्र

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर प्रो. अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और जन जन तक पहुंचाने के लक्ष्य पर केंद्रित है। इसमें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अंतिम पायदान तक शिक्षा के प्रसार पर बल दिया गया है। इस संकल्पना के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा उत्तर प्रदेश शासन दोनो कटिबद्ध और प्रतिबद्ध हैं। इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों की स्थापना विभिन्न जिलों में की है, जिससे सुदूर क्षेत्र के विद्यार्थी उत्तम शिक्षा ग्रहण कर कौशल विकास कर सके, यह उत्तर प्रदेश सरकार का सबसे सशक्त प्रयास है। एक रिपोर्ट के अनुसार पूर्व के ग्रास एनरोलमेंट अनुपात को देखा जाए तो 26.2 प्रतिशत रहा है, आगे चलकर यह 27.3 प्रतिशत तक हो गया। 2050 तक 50 प्रतिशत तक पहुंचाने की प्रत्याशा है। इस शिक्षा नीति में मल्टीप्ल एंट्री तथा मल्टीप्ल एग्जिट की बात की गई है। इस शिक्षा नीति से विद्यार्थियों को और अधिक विकल्प तथा पाठ्यक्रम मिलेंगे। संगोष्ठी की संयोजक श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संकल्प से सिद्धि तक विषयक यह राष्ट्रीय संगोष्ठी अपनी सार्थकता को सिद्ध किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र का संचालन बी. एड. विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में प्रमुख विद्वानों, शोधार्थियों सहित सभी विद्यार्थी तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

**विद्यार्थी हित में है राष्ट्रीय शिक्षा नीति-प्रो हर्ष कुमार सिन्हा**

समापन समारोह के पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि सभी शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न विषयों यथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा, उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अद्यतन विकास यात्रा, विद्यार्थी हित के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका को प्रस्तुत किया गया है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि वास्तव में राष्ट्र में बनाए जाने वाली नीतियां यदि सही तरीके से संचालित नहीं है तो इसका अर्थ है कि हमने उसकी समीक्षा और पुनरावलोकन सही ढंग से नहीं किया, इसी वजह से हम अपने बनाए गए लक्ष्य को नहीं प्राप्त कर पाए स आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी निरन्तर शिक्षा नीति के संदर्भ में विश्लेषण और समीक्षाएं इमानदारी से करें। तृतीय तकनीकी सत्र की सह-अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय के सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व्यक्ति के चरित्र के निर्माण के साथ-साथ राष्ट्र और निर्माण का बोध कराती है। इस संबंध में नेल्सन मंडेला के कथन विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं शिक्षा एक सबसे शक्तिशाली तकनीक है जिसे आप दुनिया को बदलने के लिए उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहुत से ऐसे प्रावधान हैं जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हो सके, उनका भावात्मक व मनोसामाजिक विकास हो सके संगोष्ठी की संयोजक श्रीमती शिप्रा सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। तृतीय तकनीकी सत्र में शोध पत्रों की प्रस्तुति अर्पिता सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, प्रिया वर्मा, दीप्ति गुप्ता, भानु प्रताप सिंह तथा कृष्णमोहन ने किया। सत्र का संचालन महा विद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य अभिषेक कुमार त्रिपाठी ने किया एवं प्रतिवेदक की भूमिका महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य दिव्या दुबे ने निभाई।

**विजन डॉक्यूमेंट है राष्ट्रीय शिक्षा नीति-प्रो सुनील सिंह**

चतुर्थ तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के एलायड हेल्थ साइंस के संकायाध्यक्ष प्रो. सुनील सिंह ने शोध पत्रो की समीक्षा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक विजन डॉक्यूमेंट है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा नीति को सुधारने और मॉडर्नाइज करने का प्रयास है। इस नीति में तकनीकी शिक्षा को महत्त्वपूर्ण भूमिका दी गई है। इस शिक्षा नीति के अनुसार, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को प्राथमिक और उच्चतर स्तरों पर प्रमोट किया जा रहा है। सह-अध्यक्षता करते हुए जे. बी. महाजन कॉलेज चौरी चौरा, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. लक्ष्मण सिंह ने कहा कि 1986 की नई शिक्षा नीति के 34 साल बाद यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बनाई गई। यह हमारे लिए गौरव का विषय है। प्रश्न यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संकल्प और सिद्धि के लिए सभी विद्यार्थी, शिक्षकों, प्रबंधकों तथा सरकार को प्रतिबद्ध होना पड़ेगा। कोई भी नीति तभी सफल ढंग से क्रियान्वित हो सकती है, जब संसाधनों का सही प्रयोग हो। विषय विशेषज्ञ डॉ. प्रीति मिश्रा ने कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक दवा की तरह है और जब डाक्टर के तमाम चेकअप और दवाइयों को देखते तो घबरा जाते हैं, लेकिन दवाइया हमारे स्वास्थ्य के लिए हितकर होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्व की कई समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है। चतुर्थ तकनीकी सत्र में कुमारी यशोदा, आद्या कुमार, अभिषेक त्रिपाठी तथा डॉ. दीपशिखा नागवंशी, तारकेश्वर पांडे, डॉ. राजकुमार तथा कुमारी पूनम आदि ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। संचालन महाविद्यालय के इतिहास विभाग की अध्यक्ष अनूप कुमार पांडेय ने किया एवं प्रतिवेदन महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य विवेक विश्वकर्मा ने तैयार किया।

◆महाराणा प्रताप महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

आज

गोरखपुर, गुरुवार, ०५ अक्टूबर, २०२३

# सात अक्टूबर को होगा राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्‌घाटन

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी.एड. विभाग के तत्वावधान में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 संकल्प से सिद्धि तक'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह 7 अक्टूबर पूर्वाह्न 10:00बजे होना सुनिश्चित है।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम, बिहार के कुलाध्यक्ष एवं जयप्रकाश विश्व विद्यालय छपरा, बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह उपस्थित होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्व विद्यालय, गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के विद्ववत जनों द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किए जायेंगे। इस राष्टीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्व विद्यालय गोरखपुर के शिक्षा संकाय की

**◆शिक्षा और शोध के अद्वितीय मंच पर एकत्रित होंगे शिक्षाविद और शोधार्थी ◆विशेषज्ञों के उपस्थिति के साथ, देशभर के प्रतिष्ठित विद्वान रखेंगे अपने विचार ◆प्रत्येक सत्र में, शोधार्थियों, शिक्षकों, और अकादमिक विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे शोध पत्र**

शिक्षाविद एवं प्रमुख विद्वान अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे तथा प्रत्येक सत्रों में शोधार्थियों, शिक्षकों तथा आचार्य प्रो. सुषमा पाण्डेय एवं दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महा विद्यालय गोरखपुर के बी.एड. शिक्षा के आचार्य डॉ. सभाषु चन्द्र का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वहीं द्वितीय तकनीकी सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्व विद्यालय गोरखपुर के शिक्षा संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. एन.पी. भोक्ता एवं सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह का सानिध्य प्राप्त होगा। तृतीय तकनीकी सत्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्व विद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा एवं शिक्षा संकाय के सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में संपन्न होगा। इसी क्रम में चतुर्थ तकनीकी सत्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के शिक्षा संकाय के आचार्य प्रो. राजेश कुमार सिंह तथा जे. बी. महाजन डिग्री कॉलेज गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. लक्ष्मण सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। वहीं समापन समारोह में सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस नई दिल्ली के निदेशक रामानंद तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर प्रो. अश्वनी कुमार मिश्र जी का पाथेय प्राप्त होगा। राष्टीय संगोष्ठी की संयोजक एवं बी. एड. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा की राष्टीय संगोष्ठी की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है।

# महाविद्यालय में स्वैच्छिक रक्त दान शिविर का आयोजन

जंगलधूसड़, गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय एवं महा विद्यालय के राष्टीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ''रक्तदान महादान है, यह एक पुनीत कार्य है।

जो व्यक्ति को सच्चे आत्मिक सुख की अनुभूति कराता है। रक्तदान मनुष्य द्वारा मानवता की सच्ची सेवा है।'' रक्तदान के संदर्भ में फैली हुई तमाम भ्रांतियों के विषय में बताते हुए राष्टीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने कहा कि ''एक स्वस्थ व्यक्ति के द्वारा किए जाने वाले रक्तदान का कोई भी दुष्प्रभाव व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य पर नहीं पड़ता है। इसके विपरीत यदि देखा जाए तो हृदय रोग, मोटापा, चर्बीजनित बीमारियाँ, उच्च रक्तचाप जैसी अनेक व्याधियों से रक्तदान हमें बचाता है। वास्तव में इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य नवयुवकों को मानवता की सच्ची सेवा हेतु प्रेरित करना है। एक यूनिट रक्त के दान से चार व्यक्तियों को बचाया जा सकता है। दान किया गया रक्त 24 घंटे के अंदर शरीर में पुन: निर्मित हो जाता है। इस स्वास्थ्य शिविर में विद्यार्थी, समाजसेवी तथा शिक्षकों ने कुल 22 यूनिट रक्तदान किया जिसमें विद्यार्थियों में अभय शुक्ला, दीपक कुमार, भानू प्रताप सिंह, नीतिश शर्मा, आकाश, आशीर्वाद, अरुण, विशाल, प्रभाकर राज, प्रांशु, सुधाकर, मोहन, आदित्य तथा बृजेश ने रक्तदान किया। वहीं समाज सेवी श्रीमती पार्वती राव सहित महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. अभय प्रताप सिंह डॉ. वेंकट रमन डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा, श्री अभिषेक त्रिपाठी एवं श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने रक्तदान किया। शिविर के अंत में रा. से. यो. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय से आए हुए चिकित्सकों एवं सहायकों की प्रति आभार ज्ञापित किया।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक-आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज नें पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान-विज्ञान एवं कौशल से ओत-प्रोत शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है । महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ‘‘ध्येय पथ’’ नाम से मासिक ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में अक्टूबर माह की मासिक ई-पात्रिका ध्येय-पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

**महाराणा प्रताप महाविद्याल, जंगल धूसड़**
**गोरखपुर**